एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2009–2010

"वर्ग अ – साहित्य"

तृतीय प्रश्नपत्र : नाटक एवं नाट्यशास्त्र

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. उत्तररामचरित – भवभूति
2. नाट्यशास्त्र – (षष्ठ अध्याय मात्र) – भरतमुनि
3. दशरूपक – (प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश मात्र) धनंजय।
4. नाटक एवं नाट्यशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण।

समग्र पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण –

प्रथम खण्ड (वस्तुनिष्ठात्मक भाग) **10 अंक**

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होगें तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होगे।

प्रथम इकाई –

उत्तररामचरित नाटक (भवभूति) **1–3 अंक।**

द्वितीय इकाई –

उत्तररामचरित (भवभूति) 4–7 अंक।

तृतीय इकाई –

नाट्यशास्त्र (भरतमुनि) अभिनवभारती सहित) षष्ठ अध्याय।

चतुर्थ इकाई –

दशरूपक (धनंजय) प्रथम – द्वितीय प्रकाश मात्र।

पंचम इकाई –

नाटक एवं नाट्यशास्त्र के साहित्य का सर्वेक्षण।

द्वितीय खण्ड (व्याख्यात्मक भाग)

50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएं) शत–प्रतिशत विकल्पों **के साथ पूछे जायेंगे। इनमें** से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) **लगभग 250 शब्दों में देना** होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिये 10 अंक निर्धारित **हैं। इनका पाठ्यक्रम के** अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से होगा –

(क) उत्तररामचरित के प्रथम तीन अंकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या विकल्प सहित पूछी जायेगी। **10 अंक**

(ख) उत्तररामचरित के 4 से 7 अंकों में से किसी एक श्लोक की विकल्पपूर्वक व्याख्या संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछी जायेगी।

10 अंक

(ग) नाट्यशास्त्र के षष्ठ अध्याय में से किसी एक कारिका की विकल्पसहित व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(घ) दशरूपक के प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश में से किसी एक कारिका की विकल्पपूर्वक व्याख्या पूछी जायेगी।

(ड) संस्कृत नाटकों में से किसी एक का परिचय विकल्प के साथ पूछा जायेगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) 40 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिये 20 + 20 अंक निर्धारित है।

उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधारस्वरूप होंगे – 20 अंक

1. उत्तर रामचरित नाटक की सामान्य समीक्षा, भवभूति की नाटककार की दृष्टि से समालोचना, उत्तररामचरित नाटक के पात्रों का चरित्र–चित्रण।

2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत निम्न बिन्दु आधार–स्वरूप होंगे।

नाट्यशास्त्र में वर्णित रस–व्याख्या –

रस सूत्र के विभिन्न व्याख्याकारों (लोल्लट, शंकुक, नायक, अभिनवगुप्त) की समालोचना।

दशरूपक के प्रथम तथा द्वितीय प्रकाश में वर्णित विषय–सामग्री का सामान्य विवेचन।

सहायक पुस्तकें :–

1. हिन्दी अभिनवभारती – आचार्य विश्वेश्वर
2. नाट्यशास्त्र – सम्पा. एवं व्याख्या श्री बाबूलाल शुक्ल, काशी हिन्दू वि.वि., वाराणासी
3. भरत और भारतीय नाट्यकला – सुरेन्द्र दीक्षित
4. भवभूति और उनकी नाट्यकला – डा. अयोध्याप्रसाद सिंह
5. महाकवि भवभूति – गंगासागर राय
6. भवभूति के नाटक – डा. ब्रजवल्लभ शर्मा
7. दशरूपक (धनंजय) – भोलाशंकर व्यास
8. दशरूपक – सम्पा. डा. रामजी उपाध्याय
9. दशरूपक – सम्पा. रमाशंकर त्रिपाठी
10. दशरूपक – सम्पा. बैजनाथ पांडेय, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
11. भवभूति : वी.वी. मीराशी
12. भवभूति : आर. डी. करमारकर
13. Observations on the Life & work of Bhavabhuti – R.G. Harshe
14. संस्कृत नाटक : कीथ, ए.बी. अनु. उदयभानुसिंह
15. Law & Practice of Sanskrit Drama by : S.N. Shastri
16. The Classical Drama of India, Henery W. wells
17. Uttararamacharita Ed. P.V. Kane